dainikbhaskar.com

Sponsored Link
ऑरेंज और ब्लू ड्रेसेज का लेटेस्ट कलेक्शन @ Rs. 1099

एनओयू के कन्वोकेशन में 27 को गोल्ड मेडल

CONVOCATION

डीबी स्टार » पटना

नालंदा खुला विश्वविद्यालय (एनओयू) का नौवां कन्वोकेशन रविवार को एसके मेमोरियल हॉल में आयोजित किया गया। इस दौरान 2014 में उत्तीर्ण हुए शिक्षार्थियों को डिग्री दी गई। वर्ष 2014 की परीक्षा में कुल 19,712 शिक्षार्थी शामिल हुए जिसमें से 10,917 उत्तीर्ण हुए। इसमें कन्वोकेशन के दौरान डिग्री लेने के लिए 1102 विद्यार्थी आए। कन्वोकेशन में 28 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल भी दिए गए। कन्वोकेशन समारोह में राज्यपाल रामनाथ कोविंद अध्यक्ष थे जबकि इग्नू के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान राज्यपाल रामनाथ कोविंद ने एनओयू की कार्यपद्धति जानने के बाद कहा कि सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षाओं का संचालन, समय पर परीक्षाफल का प्रकाशन और दीक्षांत समारोह का आयोजन संतोषदायी है। उम्मीद है कि विश्वविद्यालय में पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ व्यावसायिक एवं कौशल-विकास से संबंधित अधिक से अधिक पाठ्यक्रमों का भी संचालन करे। वहीं कुलपति प्रो. आरबी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के 119 पाठ्यक्रमों में डेढ़ लाख शिक्षार्थी इनरोल्ड हैं जिसमें छात्राओं की संख्या लगभग आधी है। छात्राओं को विशेष 25 फीसदी छूट के प्रावधान के बाद यहां छात्राओं की संख्या

खुलेंगे नए केंद्र, शुरू होंगे नए कोर्स : कुलपति

एनओयू के कुलपति प्रो. आरबी सिंह ने कहा कि अगले सत्र में कई नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की योजना है। इसमें स्नातकोत्तर स्तर पर आपदा प्रबंधन व गृह विज्ञान, स्नातक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और पीजी डिप्लोमा स्तर पर ह्यूमन रिसोर्स का पाठ्यक्रम चलाने की योजना है। प्रो. सिंह ने एनओयू की पद्धति के बारे में बताया कि हम फेयर परीक्षा के लिए कटिबद्ध रहते हैं। इसलिए सिर्फ उन्हीं केंद्रों पर परीक्षाएं ली जाती हैं, जहां सीसीटीवी की व्यवस्था मौजूद रहती है। कुलपति ने नए सत्र में विद्यार्थियों के लिए नई सुविधाएं लागू करने का आश्वासन दिया।

हर पांच में से एक छात्र ले रहा दूरस्थ शिक्षा : प्रो. राव

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि आज अपने देश में उच्च शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन लेने वाले हर पांच में से एक विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहा है। अब इस माध्यम से सिर्फ वे लोग ही नहीं पढ़ रहे शिक्षा पूरी नहीं कर पाए. बल्कि वैसे लोग भी आ रहे

जमुई की प्रीति कुमारी को दीक्षांत समारोह के दिन राज्यपाल द्वारा बेस्ट ग्रेजुएट स्टुडेंट्स का अवॉर्ड मिला। इसका विश्वास खुद प्रीति को भी नहीं था। उन्होंने जूलॉजी से स्नातक किया है। वह आगे मेडिकल की पढ़ाई करना चाहती हैं। वह बताती हैं कि स्कूल के दिनों में भी क्लास में टॉपर होती थी। लेकिन कभी विवि टॉपर होगी, यह सोचा नहीं था।

जहानाबाद के 46 वर्षीय कमलेश शर्मा अपनी जीविका चलाने के लिए नौकरी भी करते हैं और पार्ट टाइम में छोटा बिजनेस भी। लेकिन इन कार्यों के साथ आगे पढ़ने की उनकी ललक कभी नहीं मिटी। 2014 में कमलेश ने एनओयू से मगही से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई ही पूरी नहीं की, विषय के टॉपर भी बने और गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

बिंदू विकास ओझा की स्नातक की पढ़ाई संस्कृत से 2002 में हुई। इसके बाद कुछ पारिवारिक समस्याओं के कारण उनकी पढ़ाई बीच में छूट गई। लेकिन 11 साल के बाद बिंदू ने फिर से पढ़ाई करने की सोची। एनओयू में संस्कृत से स्नातकोत्तर कोर्स में दाखिला लिया और जब परीक्षा पास की तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

गुलजारबाग स्थित एक स्कूल में शिक्षिका होने के साथ ही श्रुति गोस्वामी नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी की छात्रा भी बनी रही हैं। 2014 में भूगोल से एमए किया जिसमें वे टॉपर रहीं। स्कूल में बच्चों को पढ़ाती हैं और खुद भी पढ़ती हैं। काम के दौरान वक्त कम मिलता है। लेकिन रविवार को या पर्व त्योहार व अन्य छुट्टियों में देर तक पढ़ती हैं।

कन्वोकेशन में टॉपर्स की लिस्ट

पीजी में इन्हें मिलेगा गोल्ड मेडल

• पल्लवी वर्मा	अर्थशास्त्र	• संजय कुमार	शिक्षा
		• बालखी व सरैया	उर्दू

डोनर्स गोल्ड मेडल

लगातार बढ़ा है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, एनओयू के प्रतिकुलपति प्रो. आरपी उपाध्याय, कुलसचिव डॉ. एसपी सिन्हा समेत कई मौजूद रहे।

इंटरनेट युग में सूचनाओं का परीक्षण है जरूरी : राज्यपाल

अपने अध्यक्षीय भाषण में राज्यपाल रामनाथ कोविंद ने कहा कि वर्तमान शताब्दी सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। इंटरनेट की मदद से कोई भी ज्ञान का भंडार अपने पास उपलब्ध करा सकता है। चंद मिनटों में सारी सूचना उपलब्ध हो जाती हैं। लेकिन इस युग में यह भी जरूरी है कि सूचनाओं का परीक्षण कर ही उसे अपनाएं। उन्होंने दीक्षांत समारोह की परंपरा के बारे में कहा कि यह हमारे देश में पुरानी परंपरा है। नालंदा विश्वविद्यालय के वक्त भी शिक्षा के बाद दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाता था।

है जो अपने ज्ञान का विकास करना चाहते हैं। अलग अलग कार्यों में लगे व्यक्तियों के लिए दूरस्थ शिक्षा ही एक ऐसी व्यवस्था है जिसके जरिए वे नया ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

• श्रुति गोस्वामी	भूगोल	• सुजाता मिन्ज	रसायनशास्त्र
• बिंदु विकास ओझा	हिंदी	• निधि कुमारी	वनस्पति विज्ञान
• काजल किरण	इतिहास	• शाइस्ता फातमा	जंतु विज्ञान
• कमलेश कुमार शर्मा	मगही	• जानकी नाथ मिश्रा	भौतिक शास्त्र
• वर्षा बास्की	राजनीति विज्ञान	• कनक कुमारी	गणित
• हरीश कुमार साह	मनोविज्ञान	• अभिषेक रंजन	पर्यावरण विज्ञान
• हरेंद्र कुमार गिरि	समाजशास्त्र	• ज्ञानी शारदेय	संस्कृत
• इशिता चाहत	एमजेएमसी	• मीनू कुमारी	मैथिली
• अरुण कुमार सिंह	लोक प्रशासन	• श्रावणी वर्मा	एमएलआईएस
• अपराजिता कुमारी	ग्रामीण विकास	• कुमारी राजरानी	एमसीए
• एकता प्रकाश	वाणिज्य	• ज्ञानी शारदेय	पीजी बेस्ट स्टूडेंट
• संतोष कुमार	भोजपुरी	• प्रीती कुमारी	पीजी बेस्ट स्टूडेंट

• इतिहास	पंडित रामसूरत शर्मा गोल्ड मेडल
• अर्थशास्त्र	सुलभ गोल्ड मेडल
• राजनीति विज्ञान	पंडित हरिद्वार पांडेय गोल्ड मेडल
• लाइब्रेरी, इंफॉर्मेशन साइंस	अमरनाथ पांडेय मेमोरियल गोल्ड मेडल
• मनोविज्ञान	डॉ. जसवीर कौर गोल्ड मेडल
• रसायनशास्त्र	डॉ. आरएस गांधी गोल्ड मेडल
• ग्रामीण विकास	सुमित्रा सिन्हा गोल्ड मेडल
• सर्वोत्तम स्नातकोत्तर छात्रा	बृज चंद्रिका गोल्ड मेडल
• सर्वोत्तम स्नातक छात्रा	राजेंद्र प्रसाद सिंह गोल्ड मेडल

DON'T MISS

Success only by dint of hard work, dedication: Governor

NOU CONVOCATION Distance education, instead of being an alternative to traditional education methods, has now become its supplement today, says vice-chancellor of IGNOU

Anish
htpatna@hindustantimes.com

(From left) Governor Ram Nath Kovind and others at the convocation function and passouts in a jubilant mood, in Patna on Sunday.

PATNA: Governor Ram Nath Kovind on Sunday advised students securing less marks in the examination not to be disheartened and work harder to achieve success in the next attempt.

"Failures offer us another shot at success, which can be achieved by dint of dedication and hard work. Be upbeat after failures and learn from them," said Kovind at the 9th convocation ceremony of Nalanda Open University (NOU).

Around 1,102 students, who passed out from different courses, excluding certificate and intermediate courses, in 2014 attended the function. In all, 10,917 students had passed out from NOU in 2014.

Kovind said while use of the internet was good for acquiring knowledge, it was important to verify the information received and use its relevant portions only. He said only a well-educated person could become a good teacher.

Distance education had gained equal prominence with traditional methods of studying and especially helped those who had to leave traditional methods of education due to various constraints, he added.

"I hope the NOU will introduces more professional and skill-development courses for youngsters," he said.

Echoing similar sentiments, vice-chancellor of Indira Gandhi National Open University (IGNOU), Nageshwar Rao, said distance education, instead of being an alternative to traditional education methods, had now become its supplement today.

"One in five students in higher educational institutions in the country is doing a course via distance education to develop his/er skill and knowledge," Rao said and added, while quantitative problems in education had been addressed significantly, the same could not be said for qualitative problems.

"Several educational bodies have taken steps in this direction, though," he said. He also favoured inclusion of information and communication technology in distance education.

NOU VC Rash Bihari Prasad Singh spoke on the activities of the university and said it offered 119 courses at present.

At the function, one topper each from NOU's 24 postgraduate (PG) subjects, besides two toppers in Urdu PG, received gold medals. One gold medal each was also awarded to the 'best girl student' at the PG as well as UG level. Of the 28 gold medallists, 18 were women.

Students clicking selfie. SANTOSH KUMAR / HT PHOTOS

NOU TOPPERS SPEAK

Hailing from a family with long line of teachers, Shruti Goswami, too, wants to go for teaching. The NOU topper of MA geography said her parents - Surendra Kumar Giri and Usha Giri - besides all her maternal aunts and uncle were teachers.

"I dedicate my success to them. All my teachers, especially Vijay Kumar Choudhary, deserve credit for my success," said Goswami.

Ishita Chahat, MA topper in mass communication, especially thanked her husband Nishant Nayan for his support.

"After marriage, I opted for distance learning to further my studies. My husband always supported me. I also dedicate my gold medal to my parents Arun Kumar Sinha and Geeta Kumari Sinha," she said.

Urdu topper Suraiya Khan also credited her success to her father S Khan and said she wanted to become a professor.

Assistant manager of Central Bank of India's branch in Raxaul and environmental science topper Abhishek Ranjan thanked his mother Lakshmi Devi and soon-to-be-wife Rachna for their support.

Economics topper Pallavi Verma said she was happy to have topped in the examination and added that the self-learning material of NOU was extremely good for gaining knowledge. She also dedicated her success to her father Ashok Kumar Verma and grandfather Alakh Niranjan Prasad. HTC

नयी तकनीकों से जुड़े दूरस्थ शिक्षा

इग्नू के कुलपति ने एनओयू के दीक्षांत समारोह में दिया दीक्षांत अभिभाषण

28 गोल्ड मेडलिस्ट समेत 20 हजार छात्र-छात्राओं को मिली डिग्री

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

'इसमें कोई संदेह नहीं कि पारंपरिक शिक्षा पद्धति में नूतन तकनीकों के प्रयोग तथा दूरस्थ शिक्षा में सेटेसाइट शिक्षा तथा ऑनलाइन एजुकेशन के प्रयोग ने शिक्षण क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया है तथा शिक्षा को समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है. अब आवश्यकता है कि दूरस्थ विश्वविद्यालय को भी सूचना एवं संचार टेक्नोलॉजी के माध्यम से जोड़ा जाय ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इससे लाभांवित हो सकें.' एनओयू के दीक्षांत समारोह में दीक्षांत अभिभाषण के दौरान ये बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने कहीं. उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा एवं सम्मुख शिक्षा में तालमेल कैसे बिठाया जाए यह भी एक महत्वपूर्ण समस्या है. इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. विवि के कुलपति प्रो रास बिहारी सिंह ने कहा कि 2016 से विवि में कई नये पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना है. इनमें आपदा प्रबंधन तथा गृह विज्ञान में एमए, एमएसी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स में बीएससी की पढ़ाई

दुनिया भर में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली हो रही लोकप्रिय : राज्यपाल

पटना . राज्यपाल सह कुलाधिपति राम नाथ कोविन्द ने कहा कि परम्परागत शिक्षा प्रणाली के समान ही आज संपूर्ण विश्व में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली लोकप्रिय हो गयी है. खुला विश्वविद्यालय के छात्र संघ लोक सेवा तथा राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भी सफलताएं प्राप्त की हैं. राज्यपाल स्थानीय श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में नालंदा खुला विश्वविद्याल के नौवें दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष के तौर पर संबोधित कर रहे थे. दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने 28 टॉपरों को गोल्ड मेडल प्रदान किया. मौके पर 20 हजार छात्र छात्राओं को डिग्री प्रदान की गयी. उन्होंने कहा कि एनओयू भी उन विवि में एक है. यह विश्वविद्यालय ने केवल समाज में शिक्षा की मुख्य धारा से अभिवंचित वर्गों को भी शिक्षा प्रदान कर रहा है, जो माध्यमिक स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त, पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत प्रवेश

गोल्ड मेडलिस्ट ने कहा

मैं लेक्चरर बनना चाहती हूं. इसकी तैयारी कर रही हूं. जॉब के साथ पढ़ाई करने के लिए डिस्टेंस एजुकेशन एक अच्छा आप्शन है. टॉप करने के लिए छात्रों को सजेशन यह है कि कोई भी विषय हो परीक्षा में उसके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए निश्चित पैटर्न बना लें और उस पर चलें. हर प्रश्न का उत्तर टू द प्वाइंट हो.

■ श्रुति गोस्वामी, भूगोल

कड़ी मेहनत और समय के मूल्य को समझेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी. मैं लेक्चरर बनना चाहती हूं. इसके लिए पढ़ाई कर रही हूं. इस तरह की सफलता के लिए फैमिली का सपोर्ट होना जरूरी है.

■ कनक कुमारी, गणित

मैं यूजीसी नेट की तैयारी कर रहा हूं और आगे पीएचडी करना चाहता हूं. उम्मीद थी कि टॉप करूंगा क्योंकि

प्रारंभ करने की योजना है ... मानव संसाधन प्रबंध म... पीजी डिप्लोमा की पढ़ाई भी प्रारंभ की जायेगी. कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हमारी प्रतिबद्धता है. इसका प्रमाण है कि एनओयू के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में प्रशासनिक सेवा में सफलता प्राप्त कर सके हैं. उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जिला और अनुमंडल स्तर पर अध्ययन केंद्रों की स्थापना की जायेगी.

नहीं लेकर रोजगार में लगे हैं.

इसके लिए मैंने काफी मेहनत की थी.

▪ जानकी नाथ मिश्रा, भौतिकी

मैं आगे नेट और पीएचडी करना चाहती हूं. छात्रों से मैं कहना चाहूंगी कि जितना भी पढ़ो बस दिल से पढ़ो. दोस्ती उतनी ही करो जितने में पढ़ाई प्रभावित न हो. मैं एक फैशन फोटोग्राफर हूं और इस काम को करते रहूंगी. इस सफलता का श्रेय मैं मम्मी-पापा और अपने पति को देना चाहती हूं.

▪ इशिता चाहत, एमजेएमसी

The Telegraph

NALANDA OPEN UNIVERSITY CONVOCATION CELEBRATES M

28 get gold at varsity function

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Over a thousand students of Nalanda Open University received their degrees at the varsity convocation on Sunday.

These included 28 gold medallists, who topped in their respective subjects. Out of the 28 medalists, 26 were postgraduates.

Priti Kumar received the undergraduate topper medal. Gyani Sarde, the gold medalist in Sanskrit, was declared overall topper in postgraduate.

Kajal Kiran, who received gold medal in history (postgraduate), said: "Studying in NOU was a different experience as its study materials are the best. It has detailed information about the subjects."☐

Kiran, who aspires to become a civil servant, said: "As I have completed my postgraduate studies, my next goal would be to crack the civil service examinations."☐

Echoing Kiran, Varsha Baski, a gold medallist in postgraduate political science, said: "Nalanda Open University gives a lot to time to collect study materials from other sources, thus, enriching your knowledge."☐

The girls outnumbered the boys with 18 gold medals, while the boys could bag 10.

Students of Nalanda Open University with their degrees during the convocation ceremony on Sun

Picture by Deepak Kumar

Addressing the students, chief guest Governor Ram Nath Kovind said: "Today distance education is gaining popularity, as open universities such as Nalanda cater to the needs of students, who because of various problems could not pursue regular studies."

The chancellor also asked the university administration to launch skill development courses because of its employability factor. The university at present offers 119 courses at Intermediate-(+2), undergraduate- and postgraduate-levels.

University vice-chancellor Rash Bihari Prasad Singh in his address said the university is growing day by day, as 1.5 lakh students are enrolled in 119 courses offered by the varsity. Singh said: "Conducting the course, holding of examinations and declaration of results on time is a big challenge for the varsity."

The VC also announced to launch new courses such as postgraduate studies in disaster management, home science and human resources from the 2016 session. Students of 2012-2014 received their degrees. graduate depa students appe aminations, o were declared students rece grees at the co

Nageshwa of Indira Ga Open Unive was one of th at the function